(b) if so, by when the restrictions are likely to be lifted and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): No, Sir.

(b) Various factors like nature of the International border, general law and order situation, sensitivity of the state and presence of insurgent elements etc. are the reasons for not lifting the restrictions on the entry of foreign nationals in Assam.

राष्ट्रीय एकता परिषद की बैठक

2942. **श्री एस० एस० अहलुवालिया :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 18 जुलाई, 1992 को हुई राष्ट्रीय एकता परिषद की बैठक में किन-किन विषयों पर विचार-विमर्श किया गया था ;

(ख) बैठक का क्या परिणाम रहा ;

(ग) इस बैठक से बाबरी मस्जिद विवाद को हल करने और अयोध्या में चल रहे निर्माण कार्य को रोकने में क्या सहायता मिली ; और

(घ) राष्ट्रीय एकता परिषद् के निर्णयों को किस तरीके से क्रियान्वित किये जाने का प्रस्ताव है ?

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम०एम० जैकब) : (क) साम्प्रदायिक सौहार्द: राम जन्म भूमि-बाबरी मस्जिद विवाद।

(ख) से (घ) बातचीत लाभप्रद रही। कई सदस्यों ने ये विचार व्यक्त किए हैं कि संबंधित पार्टियों को न्यायालय के आदेशों का मूलभावना से आदर करना चाहिए तथा ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहिए, जिससे न्यायिक प्रणाली तथा विधि के नियमों की अवमानना हो। कई सदस्यों की यह आम राय रही कि सभी संबंधित दलों को ऐसी बातों का विरोध करना चाहिए, जिनसे भारत के लोगों के बीच धर्म के आधार पर विभाजन होता हो। सदस्यों ने विवाद से संबंधित सभी दलों से यह आग्रह भी किया कि उन्हें धार्मिक सहिष्णुता के परम्परागत मूल्यों का पालन करना चाहिए और अपने वक्तव्यों और क्रियाकलापों में संयम बरतना चाहिए तथा ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहिए जिससे राम जन्म भूमि-बाबरी मस्जिद विवाद और भड़क उठे।

प्रधानमंत्री ने 23 जुलाई, 1992 को धार्मिक नेताओं के साथ बैठक की, जिसके बाद बताया गया है कि राम जन्म भूमि-बाबरी मस्जिद परिसर में अधिग्रहीत भूमि पर निर्माण कार्य 26 जुलाई, 1992 को रुक गया। सरकार द्वारा आगे की जाने वाली कार्रवाई पर चल रहे विचार-विमर्श के संबंध में 27 जुलाई, 1992 को प्रधान मंत्री द्वारा पहले ही वक्तव्य दिया जा चुका है।

अयोध्या में विश्व हिन्दू परिषद द्वारा किये गये निर्माण कार्य का गिराया जाना

2943. **मौलाना अबैदुल्ला खान आजमी** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अयोध्या में विश्व हिन्दू परिषद द्वारा हाल ही में किया गया निर्माण-कार्य न्यायालय के आदेशों के उल्लंघन करके अनधिकृत रूप से किया गया है और इसे गिराये जाने की संभावना है ;

(ख) यदि हां, तो उपर्युक्त निर्माण को गिराने के लिये सरकार द्वारा क्या कदम उठाये गये हैं; और

(ग) उनका क्या परिणाम निकला ?